Prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET PAPER 2 NOVEMBER 05, 2017 SHIFT 1 PRAKRIT QUESTION PAPER

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

1. Generally, Ardhamagadhi Prakrit belongs to this period of the development of Prakrit :

(1) Second age (2) Modern age (3) First age (4) Third age

2. Life - Sketch of 24 Tīrthaṅkaras is found in this earliest Śauraseni text :

(1) Kasayapahuḍa (2) Dhavala Ṭıka (3) Mulacara (4) Tiloyapaṇṇtti

3. The Niyamasara was composed by :

(1) Yativṛṣabha (2) Kundakunda (3) Śivarya (4) Haribhadra

4. This is the work of Acharya Shivarya :

(1) Āradhanasara (2) Kṣapaṇasara
(3) Mūlācāra (4) Bhagavatī Ārādhanā

5. Mahābandha is composed by :

(1) Puspadanta (2) Guṇadhara (3) Bhūtabli (4) Kundakunda

6. This is an example of mutual assimilation :

(1) bhiṇṇaṃ (2) akko (3) ruddo (4) ajja

7. In the place of the fourth case-ending this is used into prakrit as :

(1) First (2) Third (3) Seventh (4) Sixth

www.prepp.in

नोट : इस प्रश्न-पत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

1. प्राकृत भाषा के विकासक्रम में 'अर्धमागधी' प्राकृत को प्राय: इस युग की माना जाता है :
   (1) द्वितीययुगीन (2) आधुनिकयुगीन (3) प्रथमयुगीन (4) तृतीययुगीन

2. चौबीस तीर्थंकरों का जीवन - विवरण प्रस्तुत करनेवाला प्राचीनतम शौरसेनी ग्रन्थ है :
   (1) कसायपाहुड (2) धवला टीका (3) मूलाचार (4) तिलोयपण्णत्ति

3. नियमसार के लेखक हैं :
   (1) यतिवृषभ (2) कुंदकुंद (3) शिवार्य (4) हरिभद्र

4. आचार्य शिवार्य द्वारा रचित ग्रन्थ यह है :
   (1) आराधनासार (2) क्षपणासार
   (3) मूलाचार (4) भगवती आराधना

5. महाबन्ध के लेखक हैं :
   (1) पुष्पदन्त (2) गुणधर (3) भूतबलि (4) कुन्दकुन्द

6. यह परस्परगामी समीकरण का उदाहरण है :
   (1) भिण्णं (2) अक्को (3) रुद्दो (4) अज्ज

7. प्राकृत में चतुर्थी विभक्ति के स्थान पर इस विभक्ति का प्रयोग होता है :
   (1) प्रथमा (2) तृतीया (3) सप्तमी (4) षष्ठी

Prepp
Your Personal Exams Guide

8. Śaurasenī is used by these characters in ancient dramas :

(1) Fisherman (2) King (3) Monks (4) Female characters

9. 'Stha' is changed into Magadhi as :

(1) ttha (2) sta (3) tta (4) stha

10. This is the feature of Māgadhī :

(1) 'l' becoming 'r' (2) 'c' becoming 'j'

(3) 'r' becoming 'l' (4) 'ś' becoming 's'

11. The other name of Kasāyapāhuḍa is :

(1) Gaṇipavijja (2) Mokkhadhamma

(3) Jīvaṭṭhāṇa (4) Pejjdosapāhuḍa

12. The Paṇhavāgaraṇaṁ text mainly deals with :

(1) Punya - Papa (2) Bandha-Mokṣa

(3) Āsrava - Saṃvara (4) Jīva - Ajīva

13. Nisīha - Mahānisīha is included into this following group of Agama :

(1) Chedasūtra (2) Upaṅga

(3) Prakīrṇaka (4) Mūlasūtra

14. The second recitation of Ardhamagadhi canons was held at :

(1) Pataliputra (2) Mathura (3) Valabhi (4) Rajgiri

15. The Kasayapahuḍa is composed by :

(1) Yativṛṣabha (2) Puspadanta (3) Kundakunda (4) Guṇadhara

www.prepp.in

8. प्राचीन नाटकों में इन पात्रों के द्वारा शौरसेनी बोली जाती है :

(1) धीवर (2) राजा (3) साधु (4) महिला पात्रों

9. मागधी में 'स्थ' का यह परिवर्तन होता है :

(1) त्थ (2) स्त (3) त्त (4) स्थ

10. यह मागधी का लक्षण है :

(1) 'ल' का 'र' होना (2) 'च' का 'ज' होना

(3) 'र' का 'ल' होना (4) 'श' का 'स' होना

11. कसायपाहुड का दूसरा नाम है :

(1) गणिपविज्जा (2) मोक्खधम्म

(3) जीवट्ठाण (4) पेज्जदोसपाहुड

12. पण्हवागरणं ग्रन्थ की प्रमुख रूप से यह विषयवस्तु है :

(1) पुण्य-पाप (2) बन्ध - मोक्ष

(3) आस्रव-संवर (4) जीव-अजीव

13. 'निसीह - महानिसीह' आगम के इस समूह में सम्मिलित है :

(1) छेदसूत्र (2) उपांग

(3) प्रकीर्णक (4) मूलसूत्र

14. अर्धमागधी आगमों की द्वितीय वाचना यहाँ पर हुई थी :

(1) पाटलिपुत्र (2) मथुरा (3) वलभी (4) राजगिरि

15. 'कसायपाहुड' के रचनाकार हैं :

(1) यतिवृषभ (2) पुष्पदन्त (3) कुन्दकुन्द (4) गुणधर

16. The period of Ṇāyakumāracrariu is this :

(1) 8^{th} Century C.E. (2) 10^{th} Century C.E.

(3) 12^{th} Century C.E. (4) 3^{rd} Century B.C.E.

17. The period of Deśınamamala written by Hemchandra is :

(1) 10^{th} Century C.E. (2) 11^{th} Century C.E.

(3) 12^{th} Century C.E. (4) 14^{th} Century C.E.

18. The name of the town 'Aṇahilpur' is related to this king :

(1) King Mahendrapal (2) Shri Krishnaraj

(3) Driḍhavarmā (4) King Kumarpal

19. The "Gāhākosa" is the earlier name of :

(1) Gahalakkhaṇa (2) Gahasaṭṭasaı (3) Gauḍavaho (4) Gacchacara

20. This is the work of Maheshwarsuri :

(1) Naṇapañcamıkaha (2) Paiyakahasaṅgaho

(3) Jinadattakhyana (4) Kumārpālapratibodha

21. The kind of Nāṭikā is :

(1) Vīthī (2) Rāsaka (3) Toṭaka (4) Saṭṭaka

22. Ghanaśyāma is the author of :

(1) Siṅgaramañjarı (2) Ānandasundarı (3) Rambhamañjarı (4) Vilasavatı

23. This text is written by Rudradāsa :

(1) Ānandasundarı (2) Siṅgaramañjarı (3) Candalcha (4) Rambhamañjarı

24. Karpuramañjarı was composed in this period :

(1) 10^{th} C.E. (2) 12^{th} C.E. (3) 13^{th} C.E. (4) 14^{th} C.E.

16. णायकुमारचरिउ का रचनाकाल यह है :
(1) 8 वीं शताब्दी ईस्वी (2) 10 वीं शताब्दी ईस्वी
(3) 12 वीं शताब्दी ईस्वी (4) 3 री शताब्दी ई.पू.

17. हेमचन्द्र द्वारा रचित देशीनाममाला का रचनाकाल यह है :
(1) 10 वीं शताब्दी ईस्वी (2) 11 वीं शताब्दी ईस्वी
(3) 12 वीं शताब्दी ईस्वी (4) 14 वीं शताब्दी ईस्वी

18. 'अणहिलपुर' नामक नगर का सम्बन्ध इस राजा से है :
(1) राजा महेन्द्रपाल (2) श्री कृष्णराज
(3) दृढ़वर्मा (4) राजा कुमारपाल

19. "गाहाकोस" इस ग्रन्थ का प्राचीन नाम है :
(1) गाहालक्खण (2) गाहासत्तसई (3) गउडवहो (4) गच्छाचार

20. यह महेश्वरसूरि की कृति है :
(1) नाणपंचमीकहा (2) पाइयकहासंगहो
(3) जिनदत्ताख्यान (4) कुमारपालप्रतिबोध

21. नाटिका का भेद है :
(1) वीथी (2) रासक (3) तोटक (4) सट्टक

22. घनश्याम इसके रचनाकार हैं :
(1) सिंगारमंजरी (2) आनन्दसुन्दरी (3) रम्भामंजरी (4) विलासवती

23. रुद्रदास ने यह रचना लिखी है :
(1) आनन्दसुन्दरी (2) सिंगारमञ्जरी (3) चन्दलेहा (4) रम्भामञ्जरी

24. कर्पूरमंजरी इस समय में रची गयी थी :
(1) 10 वी शती ई. (2) 12 वी शती ई. (3) 13 वी शती ई. (4) 14 वी शती ई.

25. Read the Units I and II for the correct match :

	I		II
(a)	Candalehā	(i)	Ghanaśyāma
(b)	Vilasavatı	(ii)	Rudradasa
(c)	Ānandasundarı	(iii)	Viśveśvara
(d)	Siṅgāramañjari	(iv)	Mārkaṇḍeya

Identify the correct answer :

(1) (a) + (i) (2) (b) + (iv) (3) (c) + (iii) (4) (d) + (ii)

26. This script of Aśokan inscriptions at Girnar is :

(1) Kharoṣthi (2) Śarada (3) Brahmı (4) Gujarati

27. The meaning of the word 'Samāja' mentioned in the statement 'na ca samājo kattavvo' - referred in the Girnar inscription of Aśoka is :

(1) Social gathering (2) Unethical function

(3) Self-choosing husband (4) Worshiping in parvans

28. 'Pithuṃḍa' the word has been mentioned in this line of the Hāthīgumphā Inscription :

(1) First (2) Seventh (3) Eleventh (4) Tenth

29. The text of the following inscription has started with 'Namo Arahantānaṃ' :

(1) First Girnar Inscription (2) Sixth Girnar Inscription

(3) Hathigumphā Inscription (4) Fifth Girnar Inscription

30. 'Samavāyo eva sādhu' term is found in this Girnar inscription of Ashoka :

(1) First (2) Fourth (3) Seventh (4) Twelva

31. The text, Pāiyasaddamahaṇṇava is compiled by :

(1) Dhanapala (2) Haragovindadasa (3) Dhanika (4) Hemachandra

Prepp
Your Personal Exams Guide

25. प्रथम एवं द्वितीय खण्डों का सही मिलान कीजिए :

	I		II
(a)	चन्दलेहा	(i)	घनश्याम
(b)	विलासवती	(ii)	रुद्रदास
(c)	आनन्दसुन्दरी	(iii)	विश्वेश्वर
(d)	सिंगारमञ्जरी	(iv)	मार्कण्डेय

सही उत्तर की पहिचान कीजिए :

(1) (a) + (i) (2) (b) + (iv) (3) (c) + (iii) (4) (d) + (ii)

26. गिरनार में उपलब्ध अशोक के शिलालेखों की लिपि यह है :

(1) खरोष्ठी (2) शारदा (3) ब्राह्मी (4) गुजराती

27. सम्राट अशोक के गिरनार शिलालेखों में प्रयुक्त 'न च समाजो कत्तव्वो' में समाज शब्द का अर्थ है :

(1) समारोह (2) दोषयुक्त आयोजन
(3) स्वयंवर (4) पर्वाराधन

28. 'पिथुंड' शब्द का प्रयोग हाथीगुम्फा शिलालेख की इस पंक्ति में प्रयुक्त है :

(1) पाँचवीं में (2) सातवीं में (3) ग्यारहवीं में (4) दसवीं में

29. इस शिलालेख का प्रारम्भ 'नमो अरहंतानं' से हुआ है :

(1) प्रथम गिरनार - शिलालेख (2) छठा गिरनार - शिलालेख
(3) हाथीगुम्फा - शिलालेख (4) पंचम गिरनार - शिलालेख

30. 'समवायो एव साधु' पद गिरनार के इस अशोक-शिलालेख में उपलब्ध है :

(1) प्रथम - शिलालेख (2) चतुर्थ - शिलालेख (3) सप्तम - शिलालेख (4) द्वादशं - शिलालेख

31. पाइयसद्दमहण्णव ग्रन्थ इनके द्वारा सम्पादित है :

(1) धनपाल (2) हरगोविन्ददास (3) धनिक (4) हेमचन्द्र

Prepp
Your Personal Exams Guide

32. The text Chandah-kośa is written in this period :

(1) 10^{th} C.E. (2) 14^{th} C.E. (3) 13^{th} C.E. (4) 12^{th} C.E.

33. The main subject matter of Prakritpaiṅgala is :

(1) Vyākaraṇa (2) Chanda (3) Kośa (4) Kāvya

34. This text is written by Ratnaśekharsuri :

(1) Chandolakṣaṇa (2) Chandaḥkaṃdalī (3) Chandaḥ-Kośa (4) Gāhālakkhaṇa

35. Pāiyalacchīnāmamālā is authored by :

(1) Dhanapala (2) Dhanañjaya (3) Daṇḍi (4) Dhanika

36. This is not the Prakrit form of the word 'atma' :

(1) appā (2) attā (3) āṇā (4) ādā

37. Intervocalic 'dha' is changed into Prakrit as :

(1) ka (2) cha (3) ha (4) la

38. This is an example of metathesis :

(1) Sāmiddhī (2) bhāriyā (3) vāṇārasī (4) kauravā

39. Regressive Assimilation occurs in :

(1) ruddo (2) bhaddaṃ (3) rattiṃ (4) attho

40. Final 'm' of a word changes into Prakrit as :

(1) elision (2) anusvāra (3) o (4) ā

Prepp
Your Personal Exams Guide

32. छन्द:कोश ग्रन्थ इस समय में लिखा गया है :

(1) 10 वीं शताब्दी ई. (2) 14 वीं शताब्दी ई. (3) 13 वीं शताब्दी ई. (4) 12 वीं शताब्दी ई.

33. प्राकृतपैंगल का मुख्य विषय यह है :

(1) व्याकरण (2) छन्द (3) कोश (4) काव्य

34. रत्नशेखरसूरि के द्वारा लिखा गया ग्रन्थ यह है :

(1) छन्दोलक्षण (2) छन्द:कंदली (3) छन्द:कोश (4) गाहालक्खण

35. पाइयलच्छीनाममाला इनके द्वारा लिखी गयी है :

(1) धनपाल (2) धनञ्जय (3) दण्डी (4) धनिक

36. यह 'आत्मा' शब्द का प्राकृत रूप नहीं है :

(1) अप्पा (2) अत्ता (3) आणा (4) आदा

37. प्राकृत में स्वर-मध्यवर्ती 'ध' का यह परिवर्तन होता है :

(1) क (2) छ (3) ह (4) ल

38. यह व्यत्यय का एक उदाहरण है :

(1) सामिद्धी (2) भारिया (3) वाणारसी (4) कउरवा

39. इसमें परागत समीकरण हुआ है :

(1) रुद्दो (2) भद्दं (3) रत्तिं (4) अत्थो

40. पदान्त 'म्' प्राकृत में इस रूप में परिवर्तित होता है :

(1) लोप (2) अनुस्वार (3) ओ (4) आ

Prepp
Your Personal Exams Guide

41. Acaraṅga is included in this group of canonical literature :

(1) Chedasutra (2) Mulasutra (3) Upaṅgasutra (4) Aṅgasutra

42. According to Jain tradition the last discourse of Lord Mahaveer is available in -

(1) Uttarādhyayana Sūtra (2) Ācārāṅga Sūtra

(3) Sthanaṅga Sutra (4) Bhagavatı Sutra

43. 'Ādā ṇāṇapamāṇaṁ' statement is quoted from this text :

(1) Samayasara (2) Niyamasara (3) Pravacanasara (4) Rayaṇasara

44. 'Aṇegaṅtakaṅḍayaṁ' is a part of this text :

(1) Samayasara (2) Sanmatitarkaprakaraṇa

(3) Samarāiccakahā (4) Sarvārthasiddhi

45. "Evaṁ chabbheyamidaṁ, jīvājīvappabhedo dabbaṁ.

Uttaṁ kālavijuttaṁ, ṇāyavvā paṅca atthikāyā du."

With reference to the above verse, this statement is **not** true :

(1) Kāla is astikāya.

(2) Dravya is divided into Jıva and Ajıva.

(3) Dravyas are six.

(4) Astikāyas are five.

46. "Taṁ jadhā - gudodaṇaṁ, ghiyaṁ, dahiṁ, tandulaiṁ, ajjeṇa attavvaṁ rasāaṇaṁ savvaṁ atthi tti, evvaṁ de deva asadedu" this statement of Mṛcchakatikaṁ is made by :

(1) Sutradhara (2) Natı (3) Shakara (4) Viduṣaka

47. The writer of Mṛcchakatikaṁ is :

(1) Kalidasa (2) Rajshekhar (3) Shudrak (4) Bhavabhuti

41. आचारांग, आगम साहित्य के इस वर्ग में परिगणित है :

(1) छेदसूत्र (2) मूलसूत्र (3) उपांगसूत्र (4) अंगसूत्र

42. जैन परम्परा के अनुसार भगवान महावीर की अन्तिम देशना इसमें उपलब्ध हैं -

(1) उत्तराध्ययनसूत्र (2) आचारांगसूत्र

(3) स्थानांगसूत्र (4) भगवतीसूत्र

43. 'आदा णाणपमाणं' कथन इस ग्रन्थ से उद्धृत है :

(1) समयसार (2) नियमसार (3) प्रवचनसार (4) रयणसार

44. 'अणेगंतकंडयं' इस ग्रन्थ का एक खण्ड है :

(1) समयसार (2) सन्मतितर्कप्रकरण

(3) समराइच्चकहा (4) सर्वार्थसिद्धि

45. "एवं छब्भेयमिदं, जीवाजीवप्पभेदो दब्बं।

उत्तं कालविजुत्तं, णायव्वा पंच अत्थिकाया दु॥"

उपर्युक्त गाथा के अनुसार यह कथन **सही** नहीं है :

(1) काल अस्तिकाय है।

(2) जीव और अजीव द्रव्य के भेद हैं।

(3) द्रव्य छह हैं।

(4) अस्तिकाय पाँच हैं।

46. तं जधा – गुडोदणं, घिअं, दहीं, तंडुलाइं, अज्जेण अत्तव्वं रसाअणं सव्वं अत्थि त्ति, एव्वं दे देवा आसादेदु" मृच्छकटिकम् का यह कथन इसने कहा :

(1) सूत्रधार (2) नटी (3) शकार (4) विदूषक

47. मृच्छकटिकम् के लेखक हैं :

(1) कालिदास (2) राजशेखर (3) शूद्रक (4) भवभूति

www.prepp.in

48. Kuvalayamalakaha is a :

(1) Arthakathā (2) Saṁkīrṇakathā (3) Divyakathā (4) Rajkathā

49. Mostly this type of Prakrit is used in the Karpūramañjarī :

(1) Maharaṣṭrı (2) Magadhı (3) Śaurasenı (4) Paiśacı

50. 'Dujjaṇa Sajjaṇahu Sahāu ehu,

sihi uṇhau sīyalu hoi mehu.' This statement is quoted from this text :

(1) Ṇemiṇahacariu (2) Ṇayakumaracariu

(3) Dravyasaṁgraha (4) Uttaradhyayanasutra

- o O o -

Prepp Your Personal Exam Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

48. कुवलयमालाकहा है :

(1) अर्थकथा (2) संकीर्णकथा (3) दिव्यकथा (4) राजकथा

49. कर्पूरमंजरी में प्रमुख रूप से इस प्राकृत का प्रयोग हुआ है :

(1) महाराष्ट्री (2) मागधी (3) शौरसेनी (4) पैशाची

50. 'दुज्जण सज्जणहु सहाउ एहु,

सिहि उण्हउ सीयलु होइ मेहु।' यह कथन इस ग्रन्थ से उद्धृत है :

(1) णेमिणाहचरिउ (2) णायकुमारचरिउ

(3) द्रव्यसंग्रह (4) उत्तराध्ययनसूत्र

- o O o -

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Space For Rough Work

Prepp Your Personal Exam Guide